मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 247, मुंबई, सोमवार, 16 दिसंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
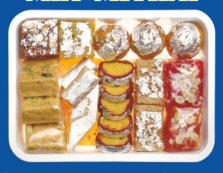
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बस 100 मीटर गहरी खाई में गिरी, 14 की मौत, 18 घायल

काठमांडू। नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में रविवार तड़के एक बस 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इसमें 3 बच्चों समेत 14 की मौत हो गई, जबकि 18 से ज्यादा घायल हैं। यह बस कालिनचौक मंदिर से भक्तपुर लौट रही थी। इसमें 40 श्रद्धालु सवार थे। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान की जा रही है। फिलहाल, हादसे की वजह पता नहीं चल पाई है। जिला पुलिस प्रवक्ता गणेश खानल ने कहा, 12 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो ने अस्पताल में दम तोड़ा। घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया, जबकि उसके सहायक की हालत गंभीर है।

सावरकर पर घमासान

अजित ने दी सफाई...

महाराष्ट्र सरकार पर पड़ेगा असर?

संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वीर सावरकर को लेकर दिए बयान के बाद महाराष्ट्र की सियासत एक बार फिर गरम हो गई है। शिवसेना ने इस पर आपत्ति जताई है। इसके बाद से सूबे की सरकार की संभावना को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने साफ किया है कि इससे उद्धव ठाकरे सरकार को कोई खतरा नहीं है। वहीं, एनसीपी नेता अजित पवार ने भी कहा है कि उद्धव ठाकरे, सोनिया गांधी और शरद पवार परिपक्व लोग हैं और वे सही निर्णय ही लेंगे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राहुल के बयान से इतिहास नहीं बदलेगा'

संजय राउत ने कहा, राहुल गांधी के रामलीला मैदान में दिए बयान से इतिहास नहीं बदलेगा और उन्हें सावरकर के बारे में पढ़ना चाहिए। राहुल गांधी इतिहास के पन्ने नहीं फाड़ सकते हैं। सावरकर ने देश की आजादी में अपना योगदान दिया है। राहुल गांधी के बयान से सावरकर का महत्व नहीं होगा। मनमोहन सिंह ने कहा था कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इतिहास में सावरकर का योगदान है और रहेगा।

'राहुल पर कार्रवाई करे सरकार'

उधर, राहुल के बयान पर अब सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने भी आपत्ति जताई है। रंजीत ने कहा, किसी को भी उनके (वीर सावरकर) बारे में अपमानजनक शब्द नहीं कहना चाहिए। सरकार को राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करनी चाहिए।

नागरिकता कानून

पूर्वोत्तर, बंगाल के बाद दिल्ली में भी विरोध उग्र

पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी, डीटीसी की 3 बसें जलाईं

संवाददाता

गुवाहाटी। नागरिकता संशोधन कानून 2019 को लेकर पूर्वोत्तर, बंगाल के बाद रविवार को दिल्ली में प्रदर्शन हिंसक हो गया। सुबह से ही जामिया इलाके में लोग सड़कों पर उतर आए। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में कारों और बसों में तोड़फोड़ मचा दी। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसूगैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया। जामिया यूनिवर्सिटी ने प्रदर्शन में उनके छात्रों के शामिल होने से इनकार किया है। रविवार दोपहर को भीड़ ने डीटीसी की 3 बसों में आग लगा दी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा ने कहा- हिंसा के लिए तृणमूल जिम्मेदार

उधर, भाजपा ने इस स्थिति के लिए तृणमूल सरकार को जिम्मेदार ठहराया और राष्ट्रपति शासन की मांग की। पार्टी का कहना है कि बंगाल में हिंसक प्रदर्शन के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं और ममता सरकार का उन्हें पूरा समर्थन है। भाजपा ने कहा है कि वह दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, गुवाहाटी और लखनऊ में 14-18 दिसंबर के बीच नागरिकता संशोधन कानून को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगी। नागरिकता संशोधन बिल 9 दिसंबर को लोकसभा और 11 दिसंबर को राज्यसभा से पास हो गया था। 12 दिसंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के दस्तखत के बाद यह कानून बन गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

किस पर करें भरोसा, कहां लगाएं गुहार

मुंबई। पंजाब ऐंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के खाताधारक सरकार और प्रशासन से गुहार लगाने के बाद हताश हो गए हैं। उन्हें लगता है कि उनकी अब कोई सुन नहीं रहा है। इसीलिए वे अपनी मांगों को लेकर आजाद मैदान में बीते सोमवार से लगातार प्रदर्शन कर रहें हैं। खाताधारकों का कहना है कि बैंक में जमा उनका पैसा उन्हें वापस मिलना चाहिए। बैंक की गलतियों की वजह से उन्हें गिड़गिड़ाने के लिए छोड़ दिया गया है। इससे उनका सरकार और प्रशासन से विश्वास उठ गया है। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है किसके पास और कहां पर गुहार लगाने पर उनके पैसे वापस मिल सकते हैं। खाताधारकों के हालत के लिए आरबीआई और सरकार जिम्मेदार है। उन्हें अपने ही पैसे कर्ज की तरह मांगना पड़ रहा है। प्रर्दशनकारियों के मुताबिक, आरबीआई अगर समय रहते पीएमसी बैंक के घोटाले का पदार्फाश कर लेती तो उन्हें यह दिन नहीं देखना पड़ता। प्रर्दशनकारियों ने आरबीआई के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। खाताधारक प्रियंका ने बताया कि जब तक सभी खाताधारकों के पूरे पैसे वापस नहीं मिल जाते तब तक वे लोग आवाज उठाते रहेंगे। प्रर्दशन में शामिल हरबंस सिंह ने बताया कि उन लोगों ने 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने नागपुर शीतकालीन सत्र खत्म होने के बाद समाधान निकालने का भरोसा दिया है। केंद्र सरकार से बहुत उम्मीदें थी, लेकिन कोई मदद नहीं मिल रही है। एक खाताधारक ने बताया कि अगर घर में कोई गंभीर बीमारी से ग्रसित हो जाए, तो इलाज के लिए सौ बार सोचना पड़ेगा। अपने ही पैसे के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। एक महिला खाताधारक ने बताया कि पैसे न होने की वजह से रोजमर्रा के कामों में अड़चनें आ रहीं हैं। शादी-विवाह को टालना पड़ रहा है।

मीरा-रोड में नागरिकता बिल पर विरोध प्रदर्शन

मीरा-रोड। केंद्र सरकार द्वारा पारित नागरिकता संशोधन विधेयक के विरोध में शुक्रवार को मीरा-रोड में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध प्रकट किया। काग्रेस नगरसेवक जुबैर इनामदार कहते हैं कि चाहे घुसपैठ का मामला हो या शरणार्थियों का, इसमें धर्म के आधार पर विभाजन नहीं होना चाहिए।
इनामदार ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी भारत से गए मुसलमानों को मुहाजिर कहा जाता है तो नए कानून में उनके लिए जगह क्यों नहीं। एनआरसी को देशभर में लागू करने की केंद्र सरकार की मंशा को लेकर भी यहां सवाल उठे। नागरिकता संशोधन विधेयक और एनआरसी को लेकर अल्पसंख्याकों में दहशत है। मीरा रोड के अलावा मुंबई के अन्य उपनगरों में भी इसका विरोध किया जा रहा है।

इस सीजन में पहली बार 20 के नीचे आया तापमान

मुंबईः शुक्रवार को जब मुंबईकर सोकर उठे तो उन्हें हल्की ठंड का अहसास हुआ, हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही फिर से स्थिति पहले जैसे ही हो गई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, यह बदलाव तापमान में गिरावट के कारण देखने को मिल रहा है। इस सीजन में यह पहली बार है जब न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया है। दिल्ली, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हुई बारिश और हिमाचल प्रदेश में हुई बर्फबारी के कारण देश के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। शुक्रवार को मुंबई शहर का अधिकतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पंकजा-खडसे के खिलाफ जुटी फडणवीस गैंग

मुंबई। पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ बगावत का सुर तेज करने वाली पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे और एकनाथ खडसे के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुट ने मोर्चा खोल दिया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटील, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सांसद संजय काकडे ने दोनों नेताओं को खरी-खोटी सुनाते हुए अनुशासन में रहने की हिदायत दी है। पाटील ने कहा कि कोई रोज खड़े होकर पार्टी के खिलाफ बोलेगा, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली से लेकर गली तक माहौल काफी गरम है। सांसद संजय काकडे ने तो यहां तक कहा दिया कि ऐसे लोगों से भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ता।

चंद्रकांत पाटील ने पार्टी के नाराज नेताओं को चेतावनी देते हुए अगर किसी को पार्टी के फैसले पर कोई आपत्ति है, तो वह पार्टी के मंच पर चर्चा करे, पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन न करे। पार्टी में केंद्र से गली तक का माहौल गरम है। यदि कोई रोज खड़े होकर पार्टी के खिलाफ बोलेगा तो इसे सहन नहीं किया जाएगा। विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों ने इसकी झलक देखी थी। 12 दिसंबर को गोपीनाथ गढ़ पर पंकजा और एकनाथ खडसे के ओबीसी बयान पर पलटवार करते हुए पूर्व ऊर्जा मंत्री बावनकुले ने कहा की ओबीसी समाज भाजपा से नाराज नहीं है। नेता अपने काम से बड़े होते हैं, जाति से नहीं। बता दें कि विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बावनकुले को भी टिकट नहीं दिया था।

सांसद संजय काकडे ने पंकजा पर सीधा हमला करते हुए कहा कि जिससे एक छोटा सा विधानसभा क्षेत्र नहीं संभाला जा रहा है, उससे पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पंकजा की रैली को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। काकडे यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि जो पांच साल मंत्री रहा, जिसके लोकसभा क्षेत्र का सांसद उसके परिवार का हो , इसके बावजूद वह 30 हजार वोटों के अंतर से चुनाव हार जाता है। चालीस वर्ष की राजनीति के बावजूद जो एक विधानसभा क्षेत्र नहीं संभाल पाया ,ऐसे लोगों से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता है। बता दें कि गोपीनाथ मुंडे की जयंती पर पंकजा मुंडे ने रैली का आयोजन किया था जिसमें एकनाथ खडसे और प्रकाश मेहता पहुंचे थे। वहीं चंद्रकांत पाटील को हूटिंग का सामना करना पड़ा था। यहां पंकजा और खडसे ने देवेंद्र फडणवीस और कुछ नेताओं के खिलाफ जम कर अपनी भड़ास निकाली थी।

बीजेपी ने ठाकरे से महाराष्ट्र में नागरिकता कानून को लागू करने को कहा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के नेता आशीष शेलार ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से महाराष्ट्र में संशोधित नागरिकता अधिनियम को तत्काल लागू करने की मांग की है। शेलार ने मुख्यमंत्री को शुक्रवार को लिखे पत्र में कहा कि कांग्रेस नेता और मंत्री नितिन राउत द्वारा राज्य में कानून को लागू करने का विरोध किए जाने के बाद ठाकरे को इस मुद्दे पर अपनी सरकार की स्थिति साफ करनी चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने नागरिकता कानून का विरोध किया है।

शेलार ने कहा कि संसद के दोनों सदनों ने ऐतिहासिक नागरिकता (संशोधन) विधेयक पारित किया है। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद महाराष्ट्र में तत्काल लागू करना चाहिए। उन्होंने कानून को लागू करने का विरोध करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। दूसरी ओर कांग्रेस नेता संजय दत्त ने कहा कि बीजेपी अंग्रेजों की तरह बांटो और राज करो की नीति अपना रही है।

कांग्रेस नेता नितिन राउत ने कहा, 'कांग्रेस सीएबी के खिलाफ है और हम इसे महाराष्ट्र में लागू नहीं होने देंगे। मुझे लगता है कि उद्धव जी इस मामले में हमारा पूरा सहयोग करेंगे।'

इस बीच महाराष्ट्र के ही मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने कहा कि पार्टी की राज्य इकाई इस मुद्दे पर केन्द्रीय नेतृत्व के रुख पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, 'हम सीएबी की निंदा करते हैं, जो संविधान की भावना के विरुद्ध है। पार्टी की राज्य इकाई इस मुद्दे पर उसी रुख पर आगे बढ़ेगी, जो केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा।' गौरतलब है कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन के अन्य साझेदार हैं।

फूड पॉइजनिंग : पीड़ितों की हालत स्थिर

मुंबई। दहिसर में बर्थ-डे पार्टी के दौरान केक और बिरयानी खाने के बाद फूड पॉइजनिंग का शिकार होने वालों की स्थिति बेहतर है। मिली जानकारी के अनुसार, सभी के हेल्थ पैरामीटर सामान्य हैं और 14 दिसंबर को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। बीएमसी पेरिफेरल अस्पताल के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ.प्रदीप जाधव ने कहा कि डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार, सभी लोगों को स्थिति में सुधार हो रहा है। शनिवार शाम तक हर किसी को छुट्टी मिल जाएगी। बता दें कि केक और बिरयानी खाने के बाद पेट दर्द और उल्टी की शिकायत करने वाले 20 से अधिक लोगों को बीएमसी के अस्पतालों में भर्ती किया गया था। इस मामले में फूड ऐंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने भी केक और बिरयानी का सैंपल लेकर आगे की जांच के लिए भेज दिया है।

उद्धव से नहीं मिल पाया, तो दे दिया इस्तीफा

मुंबई। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी अरफात शेख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने का कारण उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मिलने के लिए समय नहीं देने का कारण बताया है।

हाजी अराफात शेख कभी शिवसेना में हुआ करते थे। जब भाजपा का जलवा बढ़ा, तो उन्होंने शिवसेना को 'जय महाराष्ट्र' बोलकर भाजपा का दामन थाम लिया। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी पार्टी के कई नेताओं को नाराज करते हुए अराफात को सिर आंखों पर बिठाया और उन्हें राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बना दिया। आयोग के अध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है। शेख ने 4 सितंबर, 2018 को अपना पदभार संभाला था। राज्य में अब शिवसेना की सरकार बन गई है। ऐसे में, अराफात शिवसेना के आंख की किरकिरी बन गए हैं।

बुधवार को हाजी अराफात शेख ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपना इस्तीफा भेज दिया। चार पन्ने के इस्तीफे में अराफात ने अपने कामकाज का विस्तृत ब्योरा दिया है। अराफात ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि तंजीमुल मुस्लिमीन सोसायटी को मस्जिद के लिए दिए गए भूखंड को नौ बार बदला गया है। भूखंड के लिए जरूरी सरकारी मंजूरियों में स्थानीय पुलिस स्टेशन अड़चनें खड़ी कर रहा है। इस मामले में अदालत के आदेश का भी पालन नहीं हो रहा है। अराफात का कहना है कि ऐसे कई सारे मसले हैं जिसे लेकर वे मुख्यमंत्री ठाकरे से मिलकर अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय से बार बार संपर्क करने के बाद भी उन्हें समय नहीं दिया गया। मुझे लग रहा है कि ठाकरे सरकार अल्पसंख्यकों को न्याय देने के लिए गंभीर नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्र और एमपी समेत 6 राज्यों में नहीं लागू होगा नागरिकता कानून? थोराट, कमलनाथ का इशारा

मुंबई। एक ओर जहां नागरिकता संशोधन कानून को लेकर पूर्वोत्तर में हिंसक प्रदर्शन जारी है, वहीं कुछ राज्य सरकारों ने इसे अपने सूबे में लागू करने से ही इनकार किया है। पश्चिम बंगाल, केरल और पंजाब के बाद अब महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश सरकार ने संकेत दिया है कि वह इस कानून को लागू नहीं करने का फैसला कर सकते हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष और उद्धव सरकार में मंत्री बाला साहेब थोराट के साथ एमपी के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस बात के संकेत दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) विधेयक को संसद में पारित करके और इसके कानून बना कर केंद्र सरकार हमें इसे मानने के लिए बाध्य नहीं कर सकती है। उधर, छत्तीसगढ़ ने भी अब इसे नहीं लागू करने का संकेत दिया है। ऐसे में अब कुल 6 राज्य ऐसे हो गए हैं, जो इस कानून के सीधे विरोध में दिख रहे हैं।

कमलनाथ ने कहा, कांग्रेस पार्टी जो भी स्टैंड नागरिकता कानून पर लेगी, हमलोग उसका पालन करेंगे। हमलोग उस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होना चाहते, जिसका बीज भेदभाव हो। वहीं बाला साहेब थोराट ने कहा, 'हम पार्टी नेतृत्व की नीति का पालन करेंगे।' गौरतलब है कि कांग्रेस ने इस बिल का पुरजोर विरोध किया है। उधर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा है कि इस कानून पर पार्टी नेतृत्व का निर्णय ही उनका भी निर्णय है। इससे पहले पंजाब के सीएम कैप्टन सिंह के ऑफिस की ओर से गुरुवार को यह ऐलान किया गया कि राज्य में इसे लागू नहीं किया जाएगा। वहीं, केरल के सीएम पिनरई विजयन ने भी कहा है कि उन्हें भी यह स्वीकार नहीं है। विजयन ने इसे असंवैधानिक बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार भारत को धार्मिक आधारों पर बांटने की कोशिश कर रही है। उधर, पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार में मंत्री डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में एनआरसी और कैब दोनों लागू नहीं किए जाएंगे। ओ ब्रायन ने कहा कि सीएम ममता पहले ही यह बात कह चुकी हैं।

अगर खडसे बीजेपी छोड़ते हैं तो कांग्रेस में उनका स्वागतः थोराट

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस प्रमुख बालासाहेब थोराट ने शुक्रवार को कहा कि बीजेपी के असंतुष्ट नेता एकनाथ खडसे अगर भगवा दल छोड़ने का फैसला करते हैं तो देश की सबसे पुरानी पार्टी उनका स्वागत करेगी। खडसे को 2016 में देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बता दें कि खडसे ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी जिसके बाद बीजेपी पर दबाव बढ़ा गया। पार्टी के नेता सुधीर मुनगंटीवार ने भी कहा थी कि एकनाथ खडसे की समस्याओं के समाधान के लिए पार्टी उनसे चर्चा करेगी।

खडसे ने बीते कुछ सालों में अलग-थलग किए जाने पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की है

और अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी के राज्य नेतृत्व पर उनकी टिप्पणी और तीखी हो गई है। थोराट ने यहां पत्रकारों से कहा, 'वह (खडसे) हमारे दोस्त हैं। हमारे वर्षों से संबंध हैं। मैंने यह पहले भी कहा है कि अगर ऐसी स्थिति होती है तो हम नाथ भाऊ (खडसे को प्यार से यही कहा जाता है) जैसे व्यक्ति का हमारी पार्टी में स्वागत करेंगे।'

कांग्रेस नेता ने नागपुर, वाशिम, अकोला, धुले और नंदुरबार जिला परिषद चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी की एक बैठक की अध्यक्षता के बाद यह टिप्पणी की।

इस बीच अन्य कांग्रेस नेता और राज्य के मंत्री नितिन राउत ने कहा कि नागपुर में विधानसभा सत्र के दौरान बीजेपी को बड़ा झटका लग सकता है। यह सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा।

विदेश भागना चाहते थे गुडविन जूलर्स बंधु

ठाणे। इस साल दिवाली के आसपास महाराष्ट्र, गोवा तथा दक्षिण भारत स्थित करीब 13 आउटलेट्स (शोरूम) को अचानक बंद कर फरार हुए गुडविन जूलर्स के मालिकों की खोज में ठाणे पुलिस ने ठाणे से केरल एक कर दिया था। पुलिस की तीन टीमें लगातार उनकी खोज में लगी हुई थीं।

पुलिस ने अब तक उनके 9 बैंक खातों को सील किया है। दोनों के 5 चार पहिया और 2 दुपहिया वाहनों को जब्त किया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने इनकी कृषि भूमि, घर, फॉर्म हाउस सहित करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति सील कर दी है। डीसीपी जाधव ने दावा किया है कि उनकी तरफ से दोनों पर इस तरह शिकंजा कसा गया कि उनके पास पुलिस से भागने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था।

आर्थिक अपराध शाखा के डीसीपी संजय जाधव के मुताबिक, पकड़े गए दोनों आरोपियों ने विगत जुलाई माह में ही व्यापार को बंदकर भागने की योजना बना ली थी। 20 अक्टूबर से फरार होने के बाद दोनों अलग-अलग स्थानों पर छिपे थे। आकर्षक रिटर्न्स वाली स्कीमों के नाम पर ये दोनों आरोपी साल 2012 से ही निवेशकों को ललचा रहे थे। निवेशकों के रिटर्न्स के दबाव के बाद इन्होंने अपने शोरूम बंद दिए थे। पुलिस ने इनके शोरूमों की छानबीन की तो उसे कहीं कुछ हाथ नहीं लगा।

ठगी का शिकार हुए लोग जूलर्स के यहां प्रतिमाह हजारों रुपये जमा करते थे और उन्हें स्कीम के बदले सोने के गहने तथा बोनस देने का आश्वासन दिया गया था। बीसी के नाम पर सभी आउटलेट्स में स्कीमें चलती थीं और लोग उसमें प्रति माह निवेश करते थे। कई लोगों ने धनतेरस और दिवाली के समय आभूषण बनाने के लिए अडवांस में रुपये दिए थे। बड़ी संख्या में लोगों ने रुपये फिक्स्ड डिपॉजिट में भी लगा रखे थे। उन्हें बैंक से कहीं अधिक ब्याज मिलता था ।

गुडविन जूलर्स के संस्थापक ए.जी मोहन ने वर्ष 1992 में केरला के त्रिसूर में गहने बनाने की शुरूआत की थी और फिर देखते ही देखते तीन साल बाद गहनों के होलसेल विक्रेता बन गए थे। उन्होंने गुडविन बॉम्बे चैन के नाम से केरला में व्यवसाय का विस्तार किया था। ब्रांड के विख्यात होते ही गुडविन ने मुंबई मार्केट में वर्ष 2005 में कदम रखा था। मोहनन के बेटे ए. सुधीर कुमार और ए. सुनील कुमार ने व्यवसाय को आगे बढ़ाया था। ये कई कार्यक्रम भी आयोजित करते थे, जिनमें हिंदी, मराठी तथा दक्षिण भारत की फिल्मों के कई सितारे मौजूद रहते थे।

प्रिंस मामले की जांच के लिए डीएमईआर ने बनाई कमिटी

मुंबई। बीएमसी के केईएम अस्पताल में आग से झुलस कर हुई दो महीने के प्रिंस की मौत मामले में डायरेक्ट्रेट ऑफ मेडिकल एजूकेशन ऐंड रिसर्च (डीएमईआर) ने एक कमिटी बनाकर जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 15 दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

डीएमईआर से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि बीएमसी की तरफ से प्रिंस मामले जांच के लिए पत्र लिखा गया था। पत्र पर कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक कमिटी बनाई गई। इसमें

शिशु रोग विशेषज्ञ, बिजली विभाग में काम करने वाले अधिकारी, मेडिसिन विशेषज्ञ सहित जेजे अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर संजय सुरासे शामिल हैं। कमिटी की अध्यक्षता डॉ. संजय सुरासे करेंगे। कमिटी से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि सोमवार से मामले की जांच शुरू की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से दिल की बीमारी के इलाज के लिए प्रिंस के अभिभावक मुंबई आए थे। प्रिंस के दिल का इलाज शुरू होता इससे पहले की अस्पताल के आईसीयू में लगी आग के कारण प्रिंस 22 प्रतिशत झुलस गया और संक्रमण फैलने के कारण 22 नवंबर को प्रिंस की मौत हो गई। इस मामले में बीएमसी ने भी एक कमिटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे, जिसके रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटनावश अस्पताल में आग लगी थी। हालांकि बीएमसी में नगरसेवकों ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए मामले की तीसरे पक्ष से जांच कराने की मांग की थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के डेप्युटी म्यूनिसिपल कमिश्नर सुनील धामने ने डीएमईआर को पत्र लिख मामले की जांच करने का अनुरोध किया है।

डीएमईआर डायरेक्टर डॉ. टी.पी.लहाने ने कहा कि पत्र के अनुसार हमने कमिटी बनाकर जांच के आदेश दे दिए हैं और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बता दें कि इस मामले स्थानीय पुलिस भी जांच कर रही है। हालांकि अब तक आग लगने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, सोमवार
16 दिसंबर, 2019

फडणवीस बोले- सावरकर ने 12 साल जेल में प्रताड़ना सही, राहुल 12 घंटे भी नहीं सह सकते

संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वीर सावरकर पर दिए विवादास्पद बयान को लेकर भाजपा और शिवसेना ने जवाब दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मीडिया से कहा, राहुल का बयान शर्मनाक है। सावरकर ने 12 साल अंडमान जेल में प्रताड़ना सही। राहुल 12 घंटे भी नहीं सह सकते। वे सावरकर के नाखून के बराबर भी नहीं हैं। राहुल ने दिल्ली में 'भारत बचाओ' रैली में कहा था- मेरा नाम राहुल सावरकर नहीं, राहुल गांधी है, सही बात बोलने के लिए माफी नहीं मांगूंगा। शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने ट्वीट किया, सावरकर नाम में राष्ट्राभियान और स्वाभिमान है। नेहरू और गांधी की तरह सावरकर ने भी आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर किया था। ऐसे हर देवता का सम्मान किया जाना चाहिए। इस पर किसी

तरह का कोई समझौता नहीं होगा। कांग्रेस मानती है कि विनायक दामोदर सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगी थी।

उद्धव ठाकरे सार्वजनिक तौर पर राहुल को पीटें: रंजीत

सावरकर के पोते रंजीत ने कहा, मैं चाहता हूं कि उध्दव ठाकरे सार्वजनिक तौर पर राहुल गांधी की पिटाई करें। क्योंकि वे कई बार कह चुके हैं कि यदि कोई सावरकर का अपमान करेगा, तो मैं उसे सबके सामने पीटूंगा। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि राहुल गांधी सावरकर नहीं हैं, वरना हम सबको अपना मुंह छिपाना पड़ता।

आप सावरकर नहीं, राहुल जिन्ना हैं: नरसिम्हा

भाजपा प्रवक्ता जीवीएल नरसिम्हा राव ने कहा, आपका सही नाम राहुल जिन्ना है। मुस्लिम तुष्टिकरण आपको सावरकर नहीं, जिन्ना का योग्य वसीयतदार बनाता है। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा, सावरकर देशभक्त थे। उधार के सरनेम से कोई देशभक्त नहीं बनता। देशभक्ति के लिए रगों में शुद्ध हिंदुस्तानी रक्त चाहिए। गुरुवार को झारखंड के गोड्डा की एक चुनावी सभा में राहुल ने कहा था कि मोदी मेक इन इंडिया की बात करते हैं। अब जहां देखें वहां रेप इन इंडिया दिखाई देता है। इस बात को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में हंगामा हुआ। भाजपा सांसद स्मृति ईरानी ने राहुल से बयान को लेकर माफी मांगने को कहा। इस पर राहुल ने शनिवार को माफी नहीं मांगने की बात कहते हुए सावरकर पर बयान दिया था।

नागरिकता संशोधन बिल: मुंबई पहुंची विरोध की आवाज, आजाद मैदान में असम के रहने वाले सैंकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

मुंबई। नागरिकता संशोधन बिल को लेकर जारी प्रदर्शन की जद में मुंबई भी आ गया है। आजाद मैदान पर भारी संख्या में असम और नार्थ ईस्ट स्टेट के लोगों ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में अभिनेत्री दीपानिता शर्मा भी मौजूद थीं। प्रदर्शन की जानकारी पहले से होने के कारण भारी संख्या में पुलिसकर्मी भी आजाद मैदान में मौजूद थे। विरोध करने वाले लोगों का कहना था कि असमिया पहचान लगभग 200 जनजातियों और 33 बोलियों के साथ एक है, लेकिन यह बिल इस पहचान को खत्म कर सकता है। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि वोट बैंक को साधने के लिए भाजपा सरकार इस तरह के कदम उठा कर असम के लोगों का हक छीनने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में शनिवार को भी नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। पुलिस ने बताया कि

मुर्शिदाबाद और उत्तरी 24 परगना जिलों और हावड़ा (ग्रामीण) से हिंसा की खबरें मिली हैं। उन्होंने बताया कि मुर्शिदाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 और जिले की गई अन्य सड़कों को बाधित कर दिया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग 34 उत्तरी और दक्षिणी बंगाल को जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग है। पुलिस ने बताया कि पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी को स्थिति नियंत्रित करने के लिए मौके पर भेजा गया है। पूर्वी रेलवे के सियालदह-हसनाबाद के बीच रेल सेवाएं भी बाधित हैं। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदर्शनकारी सुबह छह बजकर 25 मिनट से शोंडालिया और काकड़ा मिजार्पुर स्टेशनों पर पटरी पर धरना दे रहे हैं।

कर्नाटक में बांग्ला कैंप में रहने वाले बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थियों ने रंगों के साथ होली खेलकर खुशी जाहिर की। यह सभा रायचूड़ जिले के सिंधानूर तालुक में रहते हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सावरकर पर घमासान

वहीं, वीर सावरकर के नाती रंजीत सावरकर ने इस बयान के लिए केंद्र से राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, 'रेप इन इंडिया' के बयान को लेकर बीजेपी ने राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोला था। बीजेपी ने राहुल से माफी मांगने की मांग की थी। राहुल ने कह दिया था कि उनका नाम राहुल सावरकर नहीं है, वह कभी माफी नहीं मांगेंगे। इसी के बाद से यह सियासी तूफान खड़ा हुआ है। राहुल के इस बयान पर कांग्रेस के साथ महाराष्ट्र में सरकार में शामिल शिवसेना ने कड़ी आपत्ति जताई है। संजय राउत ने कहा है कि राहुल गांधी के बयान से इतिहास नहीं बदलेगा और उन्हें सावरकर के बारे में पढ़ना चाहिए। राउत के इस बयान के बाद से ही महाराष्ट्र में सरकार को लेकर कई तरह की अटकलें भी शुरू हो गईं। हालांकि राउत ने यह भी स्पष्ट किया कि उद्धव सरकार को कोई खतरा नहीं है। वहीं सफाई के लिए एनसीपी नेता अजित पवार भी सामने आए। अजित पवार ने कहा, 'उद्धव जी, सोनिया जी और शरद जी परिवक्त नेता हैं। वे सही निर्णय ही लेंगे।' वहीं, एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा, जब बड़ी हस्तियों की बात आती है, तो हर कोई हर बात पर सहमत नहीं होता है। सावरकर के बारे में राहुल जी के अपने विचार हैं। सावरकर ने कहा था कि गाय हमारी मां नहीं है, लेकिन बीजेपी कहती है कि यह है। सावरकर की सोच भी 'ज्ञानवादी' थी लेकिन क्या बीजेपी इसे स्वीकार कर सकती है? वे नहीं कर सकते।

पूर्वोत्तर, बंगाल के बाद दिल्ली में भी विरोध उग्र

आग बुझाने के लिए दमकल की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर दी। घटना में एक फायरमैन घायल हो गया। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हिंसा को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने सुखदेव विहार, जामिया मिलिया इस्लामिया, ओखला विहार, जसोला विहार और शाहीन बाग स्टेशन पर आवाजाही बंद कर दी है। इन सभी स्टेशनों पर मेट्रो नहीं रुकेगी। जामिया यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने हिंसा में अपने छात्रों के शामिल होने से इनकार किया है। पीआरओ अहमद अजीम ने न्यूज चैनल से कहा- 13 दिसंबर को जब प्रदर्शन उग्र हुआ था, तो उसमें बाहरी लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली थी। उसी दिन हमने विंटर वेकेशन का ऐलान कर दिया था। यूनिवर्सिटी में 5 जनवरी तक छुट्टी घोषित कर दी गई। हमारे छात्र घर जा रहे हैं। आज के प्रदर्शन में हमारे बच्चे शामिल नहीं हैं। शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। ओवैसी ने नागरिकता कानून को संविधान का उल्लंघन करार दिया है। याचिका में कहा, सुप्रीम कोर्ट को एक आदेश पारित कर नागरिकता बिल के सेक्शन 2, 3, 5 और 6 को असंवैधानिक घोषित करना चाहिए। ये सेक्शंस अनुच्छेद 14, 21 और 25 का उल्लंघन करते हैं। ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी मांग की कि गृह मंत्रालय के 7 सितंबर 2015 के नोटिफिकेशन जीएसआर 685 (ई) और 18 जुलाई 2016 के नोटिफिकेशन जीएसआर 702 (ई) को असंवैधानिक घोषित किया जाए। असम में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया, सांसद अब्दुल खालिक और रूपज्योति कुर्मी ने कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की तरफ से याचिका दायर करेंगे। आंदोलन की अगुवाई कर रहे छात्र संगठन ऑल असम स्टूडेंट यूनियन ने कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संगठन के मुख्य सलाहकार समुज्जल भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा सरकार ने असम के लोगों के साथ धोखा किया। तृणमूल सांसद महुआ मित्रा ने सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता कानून को चुनौती दी है। असम के मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सबानंद सोनोवाल की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगा। इसमें नागरिकता कानून को लेकर राज्य में पैदा हुए हालात पर चर्चा होगी। असम के डीजीपी भास्कर ज्योति महंत ने शनिवार को कहा कि हिंसा भड़काने के लिए 85 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। महंत ने यह भी कहा कि राज्य में स्थिति नियंत्रण में है। हिंसा भड़काने वाले लोगों पर सख्ती बरती जाएगी। लोग अफवाह फैलाने वालों सूचना अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में दें। नागरिकता कानून के विरोध में शनिवार को बंगाल में कई शहरों में हिंसा और आगजनी हुई। कोलकाता के पास हावड़ा में प्रदर्शनकारियों ने हाईवे जाम कर 16 बसों में आग लगा दी। कई अन्य वाहनों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने संकराइल स्टेशन कॉम्पलेक्स पर धावा बोला, यहां आगजनी और तोड़फोड़ की। इस दौरान आरपीएफ के जवानों से मारपीट भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने 5 ट्रेनों में भी आग लगा दी। पूर्वी रेलवे ने सियालदह-हसनाबाद के बीच ट्रेन सेवा रद्द कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करें और कानून हाथ में न लें।

चीफ जस्टिस बोबडे ने कहा...

न्यायिक फैसलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता

चीफ जस्टिस शरद अरविंद बोबडे ने कहा है कि भारतीय न्याय व्यवस्था में फैसलों के लिए अभी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लाने की कोई योजना नहीं है। नागपुर में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में शनिवार को सीजेआई ने कहा कि कोर्ट में एआई तकनीक का इस्तेमाल करने का विचार अच्छा है, यह केसों का प्रबंधन और कार्यशैली बेहतर बना सकता है। लेकिन बाकी तकनीकी ईजादों की तरह इसके भी कुछ नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। चीफ जस्टिस ने साफ किया कि न्यायिक फैसलों में एआई कभी इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता। सीजेआई बनने से पहले जस्टिस बोबडे ने कहा था कि अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उच्च तकनीक जरूरी है। कार्यक्रम में चर्चा के दौरान पूर्व सीजेआई आरएम लोढ़ा ने कोर्ट के कामकाज में एआई के

इस्तेमाल पर चिंता जताई। उन्होंने चीफ जस्टिस बोबडे से अपील की कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को फैसलों की प्रक्रिया में शामिल करने से पहले इसके अच्छे और बुरे पहलुओं को देख लें। इन चिंताओं के जवाब में सीजेआई ने साफ किया कि उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कोर्ट के फैसलों की प्रक्रिया में शामिल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, एआई सिर्फ उलझाऊ कामकाज को आसान करेगा। जिस सिस्टम की हम बात कर रहे हैं, वह एक सेकंड में 10 लाख शब्द पढ़ सकता है। यानी हम उससे कुछ भी पढ़वा सकते हैं या सवाल पूछ सकते हैं। वो हमें सिर्फ जवाब देगा। सीजेआई ने उदाहरण देते हुए कहा, अयोध्या मामले में हजारों डॉक्युमेंट्स थे, उनमें हजारों पन्ने थे। लेकिन यह सब आसान हो जाता अगर आपके पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस होता। न्याय व्यवस्था में एआई कभी इंसानी दिमाग की कभी जगह नहीं ले सकता। हमारी ऐसी कोई योजना नहीं है कि किसी केस को एक कंप्यूटर की बेंच से तीन कंप्यूटर की बेंच को भेजा जाएगा। यह काम जजों के ही होंगे।

महंगी कानूनी प्रक्रिया न्याय पाने में बाधा: सीजेआई ने कार्यक्रम में कहा कि देश में महंगी कानूनी प्रक्रिया लोगों के लिए न्याय पाने में बाधक है। उन्होंने कहा, वकील आगे आकर अपनी भूमिका एक मध्यस्थ के तौर पर देख सकते हैं। उन्हें अपने आपको सिर्फ बहस के लिए पैसे कमाने वाले पेशेवर के तौर पर नहीं देखना चाहिए। हम मुकदमे से पूर्व समझौता कराने के पक्ष पर भी विचार कर रहे हैं। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा, भारत में अदालतों को कई चीजों में सुधार करना है। हमें कोई परेशानी नहीं है कि कोई कितना पैसा बना रहा है। लेकिन समझना होगा कि जब यह कोर्ट में होता है, तो इससे न्याय प्रणाली में बाधा आती है। यह एक बड़ी चूक है। वकीलों को अपनी परंपरागत सोच बदलनी होगी।

बालाकोट स्ट्राइक: अभिनंदन के पास राफेल होता तो स्थिति अलग होती, जिम्मेदारों ने एयरक्राफ्ट लाने में 10 साल लगाए: पूर्व वायुसेना प्रमुख

पूर्व वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने कहा है कि बालाकोट एयरस्ट्राइक देश के पिछले 47 सालों के युद्ध इतिहास में अपनी तरह की पहली गैर-सेना बचाव कार्रवाई थी। धनोआ ने कहा कि बालाकोट का मकसद पाकिस्तान सरकार और वहां छिपे आतंकी संगठनों को यह संदेश देना था कि भारत पर किए गए हमले की उन्हें कीमत चुकानी पड़ेगी। चंडीगढ़ में पंजाब सरकार की तरफ से आयोजित मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल में शनिवार को 'अंडरस्टैंडिंग द मैसेज ऑफ बालाकोट' कार्यक्रम पर चर्चा के दौरान धनोआ बोले- बालाकोट एक्शन का संदेश साफ और स्पष्ट था कि आतंकवादियों को पनाह या प्रशिक्षण देने

की किसी भी भारत विरोधी कार्रवाई से सख्ती से निपटा जाएगा। पूर्व वायुसेना प्रमुख ने कहा कि बालाकोट हमले के बाद अगले दिन जब पाकिस्तानी एयरक्राफ्ट हमारे सामने आए, तो हम उन्हें ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाए। धनोआ ने कहा कि इससे एक बड़ी सीख मिली कि सीमित युद्ध में तकनीक सबसे ज्यादा मायने रखती है। उन्होंने पिछली सरकारों पर सवाल उठाते हुए कहा, उन लोगों की जिम्मेदारी का क्या, जिन्हें यह तकनीक हमारे लिए लानी थी और वे 10 साल तक एयरक्राफ्ट के लिए बातचीत ही करते रह गए? क्या होता अगर पाकिस्तान के साथ आमने-सामने आने के दौरान कमांडर अभिनंदन वर्तमान के पास राफेल फाइटर जेट होता तो?

'आतंकी हमलों के प्रति सरकार का रुख भी बदला': बालाकोट पर चर्चा के दौरान पैनल में पूर्व एयर चीफ मार्शल धनोआ, स्क्वाड्रन लीडर समीर जोशी और रक्षा विशेषज्ञ प्रवीन साहनी शामिल थे। धनोआ ने आतंकी हमलों के प्रति भारत सरकार के बदलते रुख की तारीफ करते हुए कहा, 1993 के मुंबई बम धमाकों और 2008 के आतंकी हमले के बाद हमारी तरफ से कोई सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हुई। लेकिन 2016 में उड़ी हमलों के बाद सेना ने पीओके में घुसकर आतंकियों के लॉन्च पैड तबाह किए। इससे पाकिस्तान को साफ संदेश मिल गया कि नई सरकार किसी बड़े हमले का जवाब सैन्य तरीके से देना जानती है।

'संदेश साफ था- तुम कहीं भी छिपो, हम तुम तक जरूर पहुंचेंगे': धनोआ ने बताया कि 14 फरवरी को पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान को यह डर सताने लगा था कि भारत की तरफ से इसका जवाब दिया जाएगा, लेकिन सवाल सिर्फ दो ही थे- कहां और कब? हमने फैसला किया कि पाकिस्तान में बालाकोट में आतंकी संगठन जैश के ट्रेनिंग कैंप को तबाह करेंगे। सरकार और राजनीतिक इच्छाशक्ति भी साफ थी कि पाकिस्तान और जैश को यह संदेश पहुंचे कि भारत पर हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी। फिर आप चाहे जहां भी हों। पाकिस्तान या पीओके। हम तुम तक जरूर पहुंचेंगे।

बुजुर्गों के हित में कानून में बदलाव लाना आवश्यक था

बुजुर्ग माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मोदी सरकार अब माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए बने कानून में बदलाव लाने जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि अगले हफ्ते इस बिल को सदन में पेश किया जा सकता है। दरअसल, केंद्रीय कैबिनेट की तरफ से लाये जाने वाले नए कानून के तहत बुजुर्ग माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मोदी सरकार अब माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए बने कानून में बदलाव लाने जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस हफ्ते इस बिल को सदन में पेश किया जा सकता है। दरअसल, केंद्रीय कैबिनेट की तरफ से लाये जाने वाले नए कानून के तहत माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी सिर्फ उनके जैविक बच्चों की नहीं बल्कि बेटे-बहू पोता-पोती और नाती-नातिन की भी होगी। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी सिर्फ उनके जैविक बच्चों की ही नहीं बल्कि बेटे-बहू पोता-पोती और नाती-नातिन की भी होगी। यह संशोधन इस कारण आवश्यक हो गया था कि भारत के गैर सरकारी संगठन हेल्प एज इंडिया के सर्वे के अनुसार आज 23 फीसदी बुजुर्ग अत्याचार के शिकार हैं। ज्यादातर मामलों में बुजुर्गों को उनकी बहू सताती है। 39 फीसदी मामलों में बुजुर्गों ने अपनी बदहाली के लिए बहुओं को जिम्मेदार माना है। हेल्प एज इंडिया के अनुसार सताने के मामले में बेटे भी ज्यादा पीछे नहीं। 38 फीसदी मामलों में उन्हें दोषी पाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि मां बाप को तंग करने के मामले में खुद की बेटियां भी पीछे नहीं है। छोटे महानगरों में 17 फीसदी बेटियां अपने मां बाप पर जुल्म ढा रही हैं। अध्ययन में सामने आयी कुछ सच्चाई काफी कड़वी है, परिस्थितियां इस कदर बदल रही हैं कि बुजुर्गों की दर्द भरी दास्तान सुनकर कानों को यकीन भी न हो। बुजुर्ग अपने ही घर के भीतर असुरक्षित हैं। ताना मारना, उलाहना देना या गाली देना तो आम बात है। बुजुर्गों के साथ मारपीट की शिकायतें भी अब बढ़ने भी लगी है। सर्वे में शामिल 39 फीसदी बुजुर्गों को परिवार वालों की पिटाई का शिकार होना पड़ता है। अत्याचार का शिकार होने वाले बुजुर्गों में 35 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें लगभग रोजाना परिजनों की पिटाई का शिकार होना पड़ता है। इसलिए घरेलू हिंसा के शिकार ज्यादातर बुजुर्ग तनाव के शिकार हो जाते हैं। अत्याचार का शिकार होने वालों में से 79 फीसदी के मुताबिक, उन्हें लगातार अपमानित किया जाता है। 76 फीसदी को अक्सर बिना बात के गालियां और उलाहना सुनने को मिलती हैं। सर्वे में शामिल 69 फीसदी बुजुर्गों का कहना है कि उनकी अवहेलना की जाती है। उनकी जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया जातो यही सब लोग बुजुर्गों के मरने पर उनके द्वारा छोड़ी गई संपति के वारिस बन बैठते है। अब नए नियम में माता-पिता और सास-ससुर को भी शामिल किया गया है, चाहे वे सिनियर सिटिजन हों या नहीं। इसमें अधिकतम 10 हजार रुपये मेंटिनेंस देने की सीमा को भी खत्म किया जा रहा है। अब देखभाल करने वाले ऐसा करने में विफल होते हैं, शिकायत करने पर उन्हें 6 महीने कैद की सजा हो सकती है। देखभाल की परिभाषा में भी बदलाव कर इसमें घर और सुरक्षा भी शामिल किया गया है। देखभाल के लिए तय की गई राशि का आधार बुजुर्गों, पैरंट्स, बच्चों और रिश्तेदारों के रहन-सहन के आधार पर किया जाएगा।यह नया कानून बुजुर्गों के लिए वरदान है।

अशोक भाटिया

भारत की सिफारिश पर 21 मई अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस घोषित

4 साल पहले दिया था प्रस्ताव

भारत की सिफारिश पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 मई को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस घोषित किया है। भारत ने 4 साल पहले मिलान में हुई अंतरराष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अंतर सरकारी समूह की बैठक में यह प्रस्ताव पेश किया था। अभी हर साल 15 दिसंबर को चाय उत्पादन करने वाले देशों में अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस मनाया जाता है। इससे पहले भारत की पहल पर ही 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए तय किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनी अधिसूचना में कहा,

हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में चाय के योगदान को लेकर लोगों को जागरूक करना चाहते हैं, ताकि 2030 के सतत विकास से जुड़े लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र को विश्वास है 21 मई को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस घोषित करने से इसके उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में भूख और गरीबी से लड़ने में मददगार साबित होगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने चाय के औषधीय गुणों के साथ सांस्कृतिक महत्व को भी मान्यता दी है। संयुक्त राष्ट्र ने सभी सदस्य देशों, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों से अपील की है कि वह हर साल 21 मई को अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस मनाएं। इसमें ऐसे कार्यक्रम कराए, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में चाय की अहमियत समझाई जा सके।

अभी हर साल 15 दिसंबर को मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस

अभी हर साल 15 दिसंबर को चाय उत्पादन करने वाले देशों में अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस मनाया जाता है। इसमें भारत, नेपाल, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, श्रीलंका, तंजानिया के अलावा कई और देश शामिल हैं। हालांकि इसकी शुरूआत एक एनजीओ ने की थी। मई का महीना इसलिए चुना गया, क्योंकि चाय उत्पादन के लिए यह महीना सबसे बेहतर माना जाता है।

प्रशांत किशोर का भाजपा पर हमला

...कहा- देश में एनआरसी का विचार नागरिकता की नोटबंदी करने जैसा

जदयू उपाध्यक्ष और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भाजपा पर हमला बोला है। प्रशांत ने ट्वीट कर कहा कि देश भर में एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन) का विचार नागरिकता की नोटबंदी करने जैसा है। जब तक आप इसे सबित नहीं करते, तब तक यह अमान्य है। अब तक मिले अनुभवों से पता चलता है कि इससे सबसे ज्यादा गरीब और हाशिये पर पड़े लोग पीड़ित होंगे। इससे पहले नागरिकता संशोधन बिल (सीएबी) पर भी प्रशांत ने जदयू पार्टी से अलग स्टैंड लिया था। जहां पार्टी ने नागरिकता बिल का समर्थन किया था। वहीं प्रशांत ने इस बिल की मुखालफत की थी। शनिवार को प्रशांत ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा था कि मैंने नीतीश कुमार के सामने अपना पक्ष रखा है। मैं नागरिकता बिल पर अपने स्टैंड पर कायम हूं। अब फैसला उन्हें लेना है।

नागरिकता संशोधन कानून पर प्रशांत किशोर के ट्वीट

जब जदयू ने लोकसभा में बिल का समर्थन किया

नागरिकता संशोधन बिल का समर्थन करने से पहले जदयू नेतृत्व को उन लोगों के बारे में एक बार जरूर सोचना चाहिए जिन्होंने वर्ष 2015 में उन पर विश्वास और भरोसा जताया था। हमें नहीं भूलना चाहिए कि 2015 के विधानसभा चुनाव में जीत के लिए जदयू और इसके प्रबंधकों के पास बहुत रास्ते नहीं बचे थे। इस बिल का समर्थन निराशाजनक है, जो धर्म के आधार पर भेदभाव करता है। यह जदयू के संविधान से मेल नहीं खाता, जिसके पहले पन्ने पर ही 3 बार धर्मनिरपेक्ष लिखा है। हम गांधी की विचारधारा पर चलने वाले लोग हैं।

जब जदयू ने राज्यसभा में बिल का समर्थन किया

संसद में बहुमत कायम रहा। अब न्यायपालिका से परे, भारत की आत्मा को बचाने की जिम्मेदारी 16 राज्यों के गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों की है। क्योंकि ये ऐसे राज्य हैं जहां इस बिल को लागू करना है। तीन मुख्यमंत्रियों (पंजाब, केरल और पश्चिम) ने सीएबी और एनआरसी को नकार दिया। अब समय आ गया है कि दूसरे गैर-भाजपा राज्य के मुख्यमंत्री अपना रुख स्पष्ट करें।

पाकिस्तान: यूएन की रिपोर्ट- इमरान सरकार ने अल्पसंख्यकों पर हमले के लिए कट्टरपंथी विचारों को बढ़ाया, हिंदू-ईसाइयों पर ज्यादा खतरा

संयुक्त राष्ट्र ने माना है कि पाकिस्तान में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति लगातार खराब हो रही है। वहां के हिंदू और ईसाई समुदाय सबसे ज्यादा खतरे में हैं। इन दोनों समुदायों की महिलाओं और बच्चियों को अगवा कर धर्म परिवर्तन कराया जाता है। मुस्लिम युवकों से शादी होने के बाद उनके परिवार के पास लौटने की उम्मीद बहुत कम होती है। यूएन की कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ वीमेन (सीएसडब्ल्यू) की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान सरकार अल्पसंख्यकों पर हमले के लिए कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा दे रही है। कमीशन ने 47 पन्नों की रिपोर्ट को 'पाकिस्तान: धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला' नाम दिया है। सीएडब्ल्यू ने पाकिस्तान में ईशनिंदा और अहमदिया विरोधी कानून के बढ़ते राजनीतिकरण पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कानूनों को कट्टरपंथी इस्लामी संगठन सिर्फ अल्पसंख्यकों को मारने के लिए ही नहीं, बल्कि राजनीति में जगह बनाने के लिए भी हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान की पुलिस और न्याय व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर के लिए हर परिवार से मांगे 11 रुपये और पत्थर

लखनऊ/रांची। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को लेकर एक ऐसा बयान दिया है जिससे विवाद खड़ा हो सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के हर परिवार से 11 रुपये और एक ईंट का योगदान देने को कहा है। यह पहली बार है कि मुख्यमंत्री कद के किसी बीजेपी नेता ने मंदिर के निर्माण के लिए लोगों से योगदान देने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी ने झारखंड में चुनाव रैली के दौरान यह बात कही।

सीएम योगी बीजेपी उम्मीदवार नागेंद्र महतो के लिए जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ बागोदर में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 500 साल पुराने विवाद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से सुलझाया जा सका।

उन्होंने कहा, ह्यकांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई-एमएल और कुछ अन्य पार्टियां लंबे समय से चले आ रहे इस विवाद का हल नहीं चाहती थीं। उन्होंने कहा, बहुत जल्द अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर बनेगा। मैं झारखंड वासियों को भी आमंत्रित करूंगा और घर से राम मंदिर के लिए एक शिला और 11 रुपये जाना चाहिए। झारखंड चुनावों में बीजेपी के उम्मीदवार को वोट देने के लिए लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यमैं उस प्रदेश से आता हूं जिसने भगवान राम दिया और उनके शासन की प्रणाली को रामराज्य कहा गया, एक प्रणाली जिसमें नीतियां गरीब, युवा, महिला और समाज के हर तबके को ध्यान में रखते हुए बगैर भेद के बनाई जाती हैं। वही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने नागरिकता कानून को लेकर कांग्रेस पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई और पारसी अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में यातना दी गई और शरणार्थी का जीवन जी रहे हैं, कांग्रेस, आरजेपी, सीपीआईएमल जैसी पार्टियां इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री की बात दोहराते हुए कहा, कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन पार्टियों- कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल के गठबंधन पर हमला किया और कहा कि वे गरीब, युवा और समाज के अन्य लोगों की सेवा किए बगैर किसी तरह सत्ता पाना चाहते हैं।

बिजली विभाग पीएफ घोटाला: दो सीए अरेस्ट, वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए थे संपर्क में

लखनऊ। बिजली कर्मचारी भविष्य निधि घोटाले में ईओडब्ल्यू ने फर्जी फर्मों और कंपनियों के जरिए काले धन को सफेद करने वाले दिल्ली के दो चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में इन्हें मिलाकर अब तक 14 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

डीजी ईओडब्ल्यू आरपी सिंह ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट ईशांत अग्रवाल और मनोज गोयल को पूछताछ के लिए शुक्रवार को लखनऊ बुलाया गया था। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि ये दोनों ट्रस्ट सचिव पीके गुप्ता के बेटे अभिनव गुप्ता के संपर्क में थे। अभिनव ने इन लोगों के साथ मिलकर फर्जी ब्रोकर फर्म बनवाई और डमी कंपनियों के जरिए कमिशन की रकम को सफेद किया। ईओडब्ल्यू की पड़ताल में सामने आया है कि फर्जी ब्रोकर फर्म बनाने वाले सभी सीए वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में थे। इन्होंने कमिशन की रकम को ही फर्जी फर्मों के जरिए ट्रांसफर किया। इनके द्वारा पैसा भेजने और आने के आखिरी जरिए के रूप में अभिनव गुप्ता का नाम सामने आया है। ईओडब्ल्यू को इनके बीच की मनी ट्रेल के कई अहम साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में कुछ और सीए की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है।

आप को मिला प्रशांत किशोर का साथ, सिसोदिया बोले- अबकी बार 67 पार

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। यही नहीं पार्टी ने चुनावी रणनीतिकार के तौर पर देश भर में चर्चित प्रशांत किशोर भी अपने साथ जोड़ा है। खुद सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है।

यही नहीं दिल्ली के डेप्युटी सीएम मनीष सिसोदिया ने केजरीवाल के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा है, अबकी बार 67 पार। यह नारा भले ही बीजेपी के अबकी बार मोदी सरकार की तर्ज पर है, लेकिन प्रशांत किशोर के साथ आने के बाद

आम आदमी पार्टी की उम्मीदें जरूर परवान पर हैं।

'आप' के संयोजक केजरीवाल ने लिखा, 'यह जानकारी देते हुए खुशी हो रही है कि आई-पैक हमारे साथ जुड़ी है। आप का स्वागत है।' बता दें कि आईपैक यानी इंडियन पॉलिटिकल ऐक्शन कमिटी प्रशांत किशोर की संस्था है, जो चुनाव प्रबंधन का काम करती है। एक दौर में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ काम कर चुके प्रशांत किशोर को देश के बड़े चुनावी रणनीतिकारों में शुमार किया जाता है। पंजाब के विधानसभा चुनावों में उन्होंने कांग्रेस के लिए काम किया था।

खुद आईपैक ने भी आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ने की जानकारी दी है। आईपैक ने अपने ट्विटर अकाउंट पर अरविंद केजरीवाल को टैग करते हुए लिखा, 'पंजाब के चुनाव नतीजों के बाद हमें यह पता चला था कि आप सबसे मजबूत विपक्षी थे, जिनका हमने सामना किया। आपके साथ जुड़ने पर खुशी है।'

13 साल से फरार सिमी का मेंबर गिरफ्तार, मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में थी तलाश

भोपाल/नई दिल्ली। महाराष्ट्र एटीएस ने प्रतिबंधित संगठन सिमी के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इजाज अकरम शेख और इलियास अकरम शेख नाम के ये आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। इनमें से इलियास को दिल्ली के ओखला से शुक्रवार को अरेस्ट किया गया।

शुक्रवार को ही एटीएस को दिल्ली कोर्ट से इलियास की तीन दिन की रिमांड भी मिल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये दोनों भाई हैं और साल 2006 से फरार थे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में पड़ी एक रेड के सिलसिले में इनकी तलाश थी। इस रेड में विस्फोटकों समेत 'आपत्तिजनक सामग्री' बरामद की गई थी।

इजाज को गुरुवार को बुरहानपुर से अरेस्ट किया गया था और उससे पूछताछ के बाद इलियास को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। दोनों को ही आगे की पूछताछ के लिए मुंबई लाया जा रहा है। बताया जाता है कि ये 11

जुलाई 2006 को मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में मुख्य आरोपी एहतेशाम सिद्दीकी के सहयोगी थे। इन धमाकों में 188 लोगों की जान गई थी।

बुजुर्ग दंपती की हत्याः लूट के इरादे से घुसे दोस्त के बेटे ने की थी हत्या

लखनऊ। लखनऊ के चौपटिया में भोलानाथ कुआं इलाके में बुजुर्ग कारोबारी हिलाल अहमद और उनकी पत्नी बिलकीस आरा की हत्या पारिवारिक मित्र महमूदुलहसन के बेटे आकिब महमूद ने अपने साथी उस्मान उर्फ चपाती की मदद से की थी। दोनों आरोपी चौपटिया इलाके के ही रहने वाले हैं। लूट का विरोध करने और पकड़े जाने के डर से वारदात की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल दो चाकू, बाइक, लूटे गए रुपये, जेवरात व अन्य सामान बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपितों को पकड़ा जा सका।

एसएसपी कलानिधि नैथानी के मुताबिक बुजुर्ग दंपती की हत्या के बाद पुलिस टीम ने संदिग्ध के फुटेज सोशल मीडिया पर जारी किए थे। फुटेज देख कर इलाके का ही एक युवक पुलिस के पास पहुंचा। युवक ने पुलिस को फुटेज में दिखे संदिग्ध की शिनाख्त करने का दावा किया। युवक से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने चौपटिया इलाके में ही रहने उस्मान उर्फ चपाती को हिरासत में ले लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हिलाल और बिलकीस की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। उसने पुलिस को अपने साथी आकिब का नाम भी बताया, जिसके बाद पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। एएसपी पश्चिम विकास चन्द्र त्रिपाठी के मुताबिक हिलाल अक्सर आकिब के पिता महमूदुलहसन से मिलने घर जाते थे। दोनों लोगों को घर आना-जाना था। आरोपी आकिब को पता था कि हिलाल ऑस्ट्रेलिया बेटी के पास जाते रहते हैं। उनके पास काफी रुपये और जेवरात हैं। वह कई ई-रिक्शा खरीद कर किराए पर चलवाना चाहता था। इसके लिए उसे रुपये की जरूरत थी। उसने साथी उस्तान उर्फ सपाती के साथ मिलकर हिलाल और उनकी पत्नी की हत्या कर लूटपाट की योजना बनाई।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि एक हफ्ते पहले के केजीएमयू के पास मेडिकल शॉप से सर्जिकल ग्लव्स खरीदे थे। इसके बाद इलाके से ही दो चाकू भी लिए थे। शुक्रवार को वारदात करने के लिए दोनों लोग बाइक से गए थे। घटनास्थल से कुछ दूर ढाल के पास आरोपितों ने बाइक खड़ी कर दी। इसके बाद सर्जिकल ग्लव्स पहनकर हिलाल के घर में घुस गए थे। बुजुर्ग दंपती को बंधक बनाकर लूटपाट कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपितों ने बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी।

भारत की इन जगहों पर आप खा सकते हैं मुफ्त में टेस्टी खाना

कहीं घूमने जाएं तो सबसे बड़ी समस्या खाने को लेकर हो सकती है। कई जगहें ऐसी होती हैं जहां का खाना फेमस होता है तो कुछ ऐसी जगहें भी हैं जहां के बारे में आपको कुछ भी पता नहीं होता। ट्रैवल करते वक्त ज्यादातर लोगों का सबसे बड़ा फोकस होता है कि आपका बजट न बिगड़े। ऐसे में टेस्टी खाना वह भी सस्ता या मुफ्त खाना मिल जाए तो क्या बात है!

अगर हो जाए पैसों की दिक्कत

भारत जैसे देश में जहां रोजाना लाखों लोग भूखे सो जाते हैं वहां इस तरह की खाने की जगहें वरदान की तरह हैं। ऐसे में भारत की कुछ ऐसी जगहें हैं जहां आपको खाना फ्री में मिल सकता है। घूमते वक्त अचानक पैसों की दिक्कत हो जाए तो ये जगहें बेस्ट हैं। जाने इनके बारे में।

केरल की जनकीय भक्षणशाला, पाथीरापल्ली, केरल

केरल में एक ऐसा रेस्ट्रॉन्ट है जिसका खाना काफी टेस्टी है साथ में यह सोशल काम भी कर रहा है। इस रेस्ट्रॉन्ट में खाने वाले से पैसे नहीं लिए जाते बल्कि यहां रखे एक डोनेशन बॉक्स में आप अपनी इच्छा से पैसे डोनेट कर सकते हैं। इस पैसे से ऐसे लोगों के खाने की व्यवस्था होती है जो कि खाने का पैसा नहीं चुका सकते। सबसे अच्छी बात, यहां पर 2.5 एकड़ में फैला ऑर्गेनिक फॉर्म है। यहां उगाई जाने वाली सब्जियों से रेस्ट्रॉन्ट में खाना बनाया जाता है। लोग यहां से ऑर्गेनिक सब्जियां खरीदकर भी ले जाते हैं।

पप्पडावाडा का ट्री ऑफ गुडनेस

कोच्चि में एक रेस्ट्रॉन्ट के बाहर जरूरतमंदों के खाने के लिए एक फ्रिज रखा है। इस फ्रिज का नाम है ट्री ऑफ गुडनेस। इस नेक काम की शुरूआत नीलू पॉलिन ने की। उनका रेस्ट्रॉन्ट भी है और वह बचा हुआ खाना फ्रिज में रखती हैं। साथ ही दूसरों से भी ऐसा करने की रिक्वेस्ट करती हैं। इस खाने को जरूरतमंद खा सकते हैं।

दिल्ली का एक्सचेंज ओवर कॉफी, दिल्ली

दिल्ली के नॉर्थ कैंपस की यह जगह काफी सुकून देने वाली है। यहां पर आप किताबों के बदले फूड एक्सचेंज कर सकते हैं। इस जगह को लोग उड नाम से जानते हैं। बता दें कि यहां बैठने के लिए जगह इतनी ज्यादा नहीं है लेकिन आपको हमेशा यहां चहल-पहल दिखेगी। आप मेन्यू में से कुछ भी चुनकर बदले में बुक्स डोनेट कर सकते हैं।

अमृतसर का स्वर्ण मंदिर

अमृतसरका स्वर्ण मंदिर रेस्ट्रॉन्ट नहीं बल्कि धार्मिक स्थल है। रिपोर्ट्स की मानें तो यहां रोजाना 1 लाख से ज्यादा लोग मुफ्त खाना खाते हैं। यहां पर कोई भी आकर भरपेट खाना खा सकता है।

मध्य प्रदेश में अगले साल होगा ओरछा नमस्ते महोत्सव का आयोजन

मध्य प्रदेश के फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स में से एक ओरछा में अगले साल तीन दिवसीय फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधि रंजन मोहंती ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ओरछा में अगले साल छह मार्च से तीन दिवसीय ओरछा नमस्ते फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। ओरछा मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में एक शहर है और इसे प्रसिद्ध राम राजा मंदिर सहित कई मंदिरों, स्मारकों के साथ राजाओं के महलों के लिए जाना जाता है। मोहंती ने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह फेस्टिवल मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित किया जाएगा। यह फेस्टिवल अगले साल छह मार्च से आठ मार्च तक ओरछा में होगा। उन्होंने कहा कि इस फेस्टिवल के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मोहंती ने बताया कि ओरछा को सबसे बढ़िया हेरिटेज सिटी के लिए वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय पर्यटन अवार्ड मिल चुका है और विदेशी पर्यटकों के बीच भी यह बहुत मशहूर है। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे स्थित ओरछा एक शाही शहर है। बारिश के सीजन में इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है। नैचरल ब्यूटी के अलावा यह डेस्टिनेशन मंदिरों और महलों के लिए भी फेमस है। यहां पर 2 रात 3 दिन रुकने के लिए आपको खर्च करने पड़ेंगे केवल 4 हजार 500 रुपये। अगर आप ट्रैवल पैकेज में जाते हैं, तो यह खर्च महज साढ़े तीन हजार तक आ सकता है। यहां देखने लायक जगहों में राम राजा मंदिर, ओरछा का किला, जहांगीर महल, चतुर्भुज मंदिर और राजा महल शामिल है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह
बॉस आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान में रुचि बढ़ेगी।

धनु
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि, भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

वृष
जरुरी न हो तो यात्रा व निवेश न करें। मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगी। साथी व सहयोगी पूर्ण मदद करेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता।

कन्या
वरिष्ठजनों का साथ हितकारी रहेगा। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से संपर्क हो सकता है। कल्पनाशक्ति का विकास होगा।

मकर
बुद्धि व विवेक से महत्वपूर्ण मसले सुलझाएंगे। कार्य के प्रति आपका दृष्टिकोण रहेगा। धार्मिक कार्यों की तरफ रुझान बढ़ेगा।

मिथुन
आय बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला
रुके अधूरे कार्य पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। कामकाज में ईमानदारी पसंद करेंगे। समाज के कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत करेंगे। निवेश लाभदायक।

कर्क
संतान की गतिविधियां चिंता का कारण बन सकती हैं। आय व्यय का संतुलन बनाकर कार्य करें। नकारात्मकता को अपने हावी न होने दें।

वृश्चिक
अचानक विपरीत हुई परिस्थितियों से मन दुखी हो सकता है। पुराने रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। पड़ोसियों से कुछ मतभेद हो सकते हैं।

मीन
संतान की ओर से उत्साहवर्धक समाचार मिल सकता है। पिता का प्रेम व सहयोग मिलेगा। आध्यात्म व दर्शन के प्रति रुचि बढ़ेगी। यात्रा टालें।

स्लॉथ ने मदद करने वाले शख्स को ऐसे किया 'थैंक्स', हजारों लोगों के दिल को छू गया

कहते हैं कि किसी की मदद करना सबसे बड़ा मानवीय गुण है। जब किसी को संकट के समय में मदद की जाए तो फिर मदद करने वाला शख्स उसके लिए फरिश्ते से कम नहीं होता है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स पेड़ पर रहने वाले जीव स्लॉथ को सड़क पार करने में मदद कर रहा है।

आईएफएस अधिकारी प्रवीण कासवान ने इस वीडियो को अपने ट्विटर पेज पर शेयर किया है। इसमें एक स्लॉथ हाइवे को पार करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वहां से गुजरने वाली तेज रफ्तार गाड़ियां उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। स्लॉथ अन्य जीवों की तरह फुतीर्ले नहीं होते हैं, वे अपनी धीमी गति के लिए ही जाने जाते हैं। ये अपना अधिकांश जीवन पेड़ों पर पर ही बिताते हैं। ये द क्षिणी और मध्य अमेरिका में पाए जाते हैं।

इस वीडियो में देखा जा सकता है कि हाइवे के किनारे कुछ गाड़ियां रूकी हुई हैं। एक शख्स उस स्लॉथ को बीच सड़क से उठाता है और उसे हाइवे किनारे एक पेड़ के पास ले जाता है। वह स्लॉथ को पेड़ पर चढ़ाना चाहता है। स्लॉथ अपने पंजों से पेड़ को पकड़ लेता है, वह शख्स उसे तब तक पकड़े रहता है, जब तक की स्लॉथ पेड़ को मजबूती से पकड़ नहीं लेता।

स्लॉथ जब पेड़ को पकड़ लेता है तो वह शख्स वहां से जाने लगता है, तब स्लॉथ पीछे मुड़कर उस शख्स को कृतज्ञता के भाव से देखता है। वह शख्स उसे बाय करता है तो स्लॉथ भी अपने एक पंजे को उसकी ओर बढ़ा देता है। जैसे मानो वह अपने मददगार को शुक्रिया कह रहा हो। आईएफएस अधिकारी कासवान ने इस वीडियो को 06 दिसंबर को शेयर किया था, जिसे अब तक 45 हजार से अधिक बार देखा गया है। 4700 से अधिक लोगों ने इसे लाइक किया है तो 1100 से अधिक लोगों ने रिट्वीट किया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एमएस धोनी ने संन्यास नहीं लिया है और वह टी-20 वर्ल्ड कप में खेलेंगेः ड्वेन ब्रावो

चेन्नै। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस की भविष्य को लेकर तमाम अटकलें लगाई जाती रही हैं। वह पिछली बार इस साल हुए वनडे विश्व कप में खेले थे, क्या वह टी 20 विश्व कप में खेलेंगे? इस मामले को लेकर उनके चेन्नै सुपर किंग्स के साथी और दिग्गज कैरेबियाई ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो का मानना है कि इसमें कोई शक नहीं है कि पूर्व इंडियन कैप्टन धोनी अगले वर्ष होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप का हिस्सा होंगे।

उन्होंने कहा, 'धोनी ने कभी संन्यास नहीं लिया, इसलिए मुझे लगता है कि वह विश्व टी 20 में शामिल होंगे। एमएस ने कभी भी क्रिकेट के बाहर की चीजों को प्रभावित नहीं होने दिया और उन्होंने हमें यही सिखाया है और कहा कि हम कभी भी घबराएं नहीं और अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। बता दें कि वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड के साथ मतभेदों के कारण खेल को अलविदा कहने वाले हरफनमौला ड्वेन ब्रावो ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का ऐलान किया।

मौजूदा वेस्ट इंडीज टीम के कप्तान कायरन पोलार्ड के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- अपने खिलाड़ियों को कैसे प्रोत्साहित करना है, यह पालोर्ड अच्छे से जानते हैं। उन्होंने और लेंडल सिमंस ने युवओं को अच्छी क्रिकेट खेलने की आजादी दी है। यही आजादी युवाओं को बिना डरे क्रिकेट खेलने और आगे बढ़ने में मदद करेगी। हमारे पास अच्छे बैट्समैन और बोलर हैं, बस जरूरत है अच्छे मार्गदर्शक की।

ब्रावो ने अपने इंटरनैशनल कमबैक पर कहा कि वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड की सत्ता में बदलाव के कारण उन्होंने मन बदला है। पूर्व टीम मैनेजर रिकी स्केरिट अब डेव कैमरन की जगह बोर्ड के नए अध्यक्ष बने हैं। ब्रावो ने कहा, मैं अंतरराष्ट्रय क्रिकेट में वापसी की घोषणा करता हूं। उन्होंने कहा, ह्यमैने यह फैसला प्रशासनिक स्तर पर बोर्ड में हुए बदलाव के बाद लिया है। मैं कुछ समय से इस बारे में सोच रहा था और सकारात्मक बदलावों ने मेरे फैसले को मजबूत किया।

ब्रावो ने वेस्ट इंडीज के लिए 40 टेस्ट, 164 वनडे और 66 टी20 खेले। वह चेन्नै सुपर किंग्स के लिये आईपीएल खेलते हैं। इसके अलावा पीएसएल, बिग बैश लीग, कैरेबियाई प्रीमियर लीग, कनाडा लीग और अबुधाबी टी10 लीग भी खेले।

क्यों बदला संन्यास का फैसला?

नई दिल्ली। वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड के साथ मतभेदों के कारण खेल को अलविदा कहने वाले हरफनमौला ड्वेन ब्रावो ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का ऐलान किया। ब्रावो ने कहा कि वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड की सत्ता में बदलाव के कारण उन्होंने मन बदला है। पूर्व टीम मैनेजर रिकी स्केरिट अब डेव कैमरन की जगह बोर्ड के नए अध्यक्ष बने हैं।

ब्रावो ने एक बयान में कहा, आज मैं अंतरराष्ट्रय क्रिकेट में वापसी की घोषणा करता हूं। उन्होंने कहा, ह्यमैने यह फैसला प्रशासनिक स्तर पर बोर्ड में हुए बदलाव के बाद लिया है। मैं कुछ समय से इस बारे में सोच रहा था और सकारात्मक बदलावों ने मेरे फैसले को मजबूत किया।

चोटिल भुवनेश्वर कुमार की जगह शार्दुल वनडे टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को चोट की वजह से वेस्ट इंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे इंटरनैशनल सीरीज से बाहर होना पड़ा है। उनकी जगह मुंबई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) ने इसकी जानकारी शनिवार को सुबह विज्ञप्ति जारी करते हुए दी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा है, 'भुवनेश्वर कुमार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के आखिरी टी-20 इंटरनैशनल मैच, जो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया, के दौरान कमर में दाईं ओर दर्द की शिकायत थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने जांच में पाया कि खिलाड़ी के हर्निया के लक्षण फिर से

उभर आए हैं। चोटिल भुवी की जगह शार्दुल वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किए गए हैं।'

शार्दुल बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज की टीम में थे और गुरुवार तक उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ रणजी मैच में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया था। भुवनेश्वर की चोट के बारे में हालांकि पूरी जानकारी नहीं मिल पायी है लेकिन समझा जा रहा कि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है।

भुवनेश्वर चोट से वापसी करने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफी टी20 सीरीज में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे थे। उन्होंने पहले दो मैचों में बिना कोई विकेट लिए 36-36 रन लुटाए जबकि तीसरे टी20 में चार ओवर में 41 रन देकर दो विकेट लिए।

सिंधु ने बिंग जियाओ को हराकर अभियान का अंत किया

ग्वांग्जू। खिताब की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने ग्रुप ए के अपने तीसरे और अंतिम मैच में चीन की ही बिंग जियाओ पर सांत्वना जीत दर्ज करके वर्ष के आखिरी टूर्नमेंट बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में अपने अभियान का सकारात्मक अंत किया। पिछले साल की चैंपियन सिंधु अपने पहले दोनों मैच गंवाने के कारण खिताब की दौड़ से पहले ही बाहर हो गईं थीं। बिंग जियाओ के खिलाफ भी पहले गेम में वह 9-18 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने बेहतरीन वापसी की ओर 21-19, 21-19 से जीत दर्ज करके ग्रुप में तीसरा स्थान हासिल किया। इस जीत से सिंधु ने इस चीनी खिलाड़ी के खिलाफ लगातार चार हार का सिलसिला भी तोड़ दिया। अब उनका एक दूसरे के खिलाफ रेकॉर्ड 6-9 है। भारतीय खिलाड़ी शुरू में लय हासिल नहीं कर पाईं और बिंगजियाओ ने पहले गेम में शुरू में 7-3 और ब्रेक तक 11-6 से बढ़त बना ली। सिंधु ने ब्रेक के बाद भी गलतियां कीं जिससे चीनी खिलाड़ी 18-9 से आगे हो गईं। सिंधु ने हालांकि बेहतरीन वापसी का नजारा पेश किया और लगातार नौ अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। बिंगजियाओ ने इसके बाद एक अंक हासिल किया लेकिन सिंधु ने फिर लगातार तीन अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम किया। सिंधु ने दूसरे गेम में लय बरकरार रखी और वह ब्रेक तक 11-6 से आगे थीं। बिंग जियाओ ने इसके बाद कुछ गलतियां कीं जिससे सिंधु ने अपनी बढ़त 15-10 कर दी। चीनी खिलाड़ी ने बाद में 16-18 से अंतर कम किया लेकिन सिंधु ने जल्द ही तीन मैच पॉइंट हासिल कर लिए। बिंगजियाओ इनमें से दो मैच पॉइंट ही बचा पायी। सिंधु अब प्रीमियर बैडमिंटन लीग में खेलेंगी।

बिग बाउट मुक्केबाजी लीग : बेंगलुरू ने पैंथर्स को 4-3 से हराया

नयी दिल्ली। बेंगलुरू ब्रॉलर्स ने शुक्रवार को यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए बिग बाउट इंडियन बॉक्सिंग लीग (आईबीएल) में बड़ा उलटफेर करते हुए पंजाब पैंथर्स को 4-3 से हराया।

अनामिका (51 किग्रा) और कप्तान सिमरनजीत (60 किग्रा) ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बेंगलुरू को अच्छी शुरूआत दी। इनके अलावा दिनेश डागर ने चार मैचों में आज अपना पहला मैच जीता जबकि पवन कुमार ने भी चार मैचों में पहली जीत दर्ज की। अभी तक अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 12 अंक जुटा चुकी पैंथर्स ने इस मैच में चार मुक्केबाजों को लीग में पदार्पण का मौका दिया।

टीम ने कप्तान एमसी मेरीकॉम, उज्बेकिस्तान के अब्दुलमलिक खालाकोव, मनोज कुमार को आराम दिया। इस हार से पैंथर्स अंकतालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है। पैंथर्स के चार मैचों से 15 अंक हो गए हैं वह गुजरात जाएंट्स से पीछे हैं जिसके चार मैचों में 17 अंक हैं।

अंडर-17 महिला फुटबाल : स्वीडन से 0-3 से हारी भारतीय टीम

मुंबई। भारत की अंडर-17 महिला टीम ने तीन देशों के फुटबाल टूर्नामेंट में अपने अभियान की निराशाजनक शुरूआत की और उसे शुक्रवार को यहां अपने पहले मैच में ही स्वीडन से 0-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

स्वीडन की टीम ने भारतीयों की कमजोरी का पूरा फायदा उठाया। उसकी तरफ से मालटिडा विनबर्ग (चौथे मिनट), इडा वीनडेनबर्ग (25वें मिनट) और मोनिका जुसु बाह (90+1 मिनट) ने

गोल किये। स्वीडन को चौथे मिनट में ही पेनल्टी किक मिली जिसे विनबर्ग ने गोल में बदला। स्ट्राइकर बाह को पेनल्टी बाक्स में गिराये जाने के कारण स्वीडन को यह पेनल्टी मिली थी। भारत को इसके बाद 11वें और 21वें मिनट में बराबरी का मौका मिला था लेकिन दोनों अवसरों पर उसकी खिलाड़ी नाकाम रही।

स्वीडन ने 25वें मिनट में बढ़त दोगुनी करके भारत पर दबाव बढ़ा दिया और दूसरे हाफ में अपना दबदबा बरकरार रखा। भारत अपना अगला मैच मंगलवार को थाईलैंड से खेलेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सैफ अली खान की बेटी बनेंगी अनन्या पांडे!

अनन्या पांडे ने अभी तक सिर्फ दो ही फिल्में की हैं, लेकिन उनकी पॉप्युलैरिटी तेजी से बढ़ रही है। फिल्मेमकर्स भी उनसे काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। यही वजह है कि अनन्या के पास अभी कई फिल्में हैं। जहां उनकी हालिया रिलीज 'पति पत्नी और वो' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है, वहीं खबर आ रही है कि उन्हें एक थ्रिलर फिल्म के लिए साइन किया गया है, जिसमें सैफ अली खान उनके पिता के रोल में दिखेंगे। खबर के मुताबिक, यह फिल्म एक पिता और बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को राहुल ढोलकिया डायरेक्ट करेंगे, जबकि फरहान अख्तर इसके प्रड्यूसर होंगे। हालांकि इस फिल्म को लेकर अन्य कोई जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। वहीं सैफ की बात करें, तो इस वक्त उनके पास ढेरों फिल्में हैं। एक तरफ वह अजय देवगन के साथ 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' में नजर आएंगे तो वहीं जल्द ही वह एक वेब सीरीज की शूटिंग भी शुरू करेंगे। इसके अलावा उनके पास 'जवानी जानेमन' नाम की भी एक फिल्म है, जिसमें उनके अलावा तबू और आलिया फर्नीचरवाला होंगी। हाल ही में वह 'लाल कप्तान' में नजर आए थे।

शाहिद कपूर ने शुरू की 'जर्सी' की शूटिंग

कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि 'कबीर सिंह' की सफलता के बाद शाहिद कपूर ने फिल्म 'जर्सी' साइन की थी। शाहिद इस फिल्म के लिए तैयारियों में भी जुटे हुए थे। अब 13 दिसंबर को फाइनली इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। शाहिद ने फिल्म का क्लैपबोर्ड की तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी फैन्स के साथ शेयर की है। यह फिल्म इसी नाम से बनी तेलुगू सुपरहिट फिल्म का हिंदी रीमेक है। 'जर्सी' एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। फिल्म के क्लैपबोर्ड की तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी देर नहीं होती। जर्सी का सफर शुरू। बता दें कि इस फिल्म का डायरेक्शन गौतम टिन्नानूरी कर रहे हैं। यह एक ऐसे क्रिकटर की कहानी है जो अपनी उम्र के तीसरे दशक में नैशनल टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ उनके पिता पंकज कपूर और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

नागरिकता कानून के विरोध में खुलकर आईं स्वरा भास्कर

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस स्वरा भास्कर को उनकी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाना जाता है। स्वरा हर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दे पर खुलकर अपने विचार रखती हैं। हाल के दिनों में नागरिकता संशोधन कानून पर काफी बवाल मचा हुआ है और इस मुद्दे पर भी स्वरा ने अपने विचार सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। पिछले दिनों नागरिकता कानून (कैब) का देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध किया जा रहा है। इसी कानून के विरोध में दिल्ली की जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान छात्रों की पुलिस से काफी झड़प भी हुई। स्वरा इस मामले में जामिया स्टूडेंट्स के सपॉर्ट में आ गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर विरोध प्रदर्शन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, यह कश्मीर या असम नहीं है। यह दिल्ली है। हमारे लोकतंत्र का तमाशा बना दिया गया है। ये पुलिसकर्मियों की फौज आतंकवादियों, देशविरोधियों या पाकिस्तानी सेना से नहीं बल्कि स्टूडेंट्स से लड़ रही है, उन पर आंसू गैस छोड़ रही है, पत्थरबाजी कर रही है और उनपर बल प्रयोग कर रही है। कुछ ट्रेंडी हैशटैग्स लगा रही हूं ताकि अंधभक्तों को अच्छा लगे कि कैसे हमारे लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। विरोध अभी भी जारी है।